

---

Shri Nrisimhamangalanavaratnamalikhayam

श्रीनृसिंहमङ्गलनवरत्नमालिकारव्यम्

Document Information

---

Text title : Shri Nrisimhamangalanavaratnamalikhayam

File name : nRRisiMhamangalanavaratnamAlikAkhyam.itx

Category : vishhnu, dashAvatAra, mangala, nava, viShNu

Location : doc\_vishhnu

Author : Jaggu. Venkatarya

Proofread by : M K Barman

Description/comments : nRRisiMhakosha 2 upAsanA khaNDa

Latest update : August 4, 2025

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 4, 2025

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीनृसिंहमङ्गलनवरत्नमालिकारव्यम्



(कीर्तिशेष साङ्ख्यतीर्थ श्री. जग्गू वेङ्कटार्यरचितम्)

ॐ मङ्गलं स्तम्भडिम्भाय मङ्गलं मृत्युमृत्यवे ।

मङ्गलं रौद्ररूपाय नरसिंहाय मङ्गलम् ॥ १ ॥

हिरण्यकशिपुं हत्वा दैत्येन्द्रं देवकण्ठकम् ।

जगद्रक्षणधुर्याय जगद्धीजाय मङ्गलम् ॥ २ ॥

प्रह्लादस्तुतिसन्तुष्टप्रसन्ननिजमूर्तये ।

वरदाऽभयहस्ताय वरदाय च मङ्गलम् ॥ ३ ॥

खराग्रैर्वज्रसंस्पर्शैर्नखरैः शत्रुदारिणे ।

तीक्ष्णदंष्ट्राय तत्त्वायर्ताक्ष्य वाहाय मङ्गलम् ॥ ४ ॥

नरकण्ठीरवाऽऽकार व्यक्तात्युग्रविभूतये ।

मृगेन्द्राय नरेन्द्राय दैवतेन्द्राय मङ्गलम् ॥ ५ ॥

किरीटहारकेयूरकुण्डलालङ्कृताय च ।

कोटिसूर्यप्रकाशाय देवसिंहाय मङ्गलम् ॥ ६ ॥

त्रियुगाय त्रिपृष्ठाय त्रिगुणाय त्रिमूर्तये ।

नरकेसरिरूपाय लक्ष्मीलोलाय मङ्गलम् ॥ ७ ॥

मत्स्यकच्छपवाराहरामवामनमूर्तये ।

रामकृष्णात्मने बौद्धकल्किसिंहाय मङ्गलम् ॥ ८ ॥

सर्वबीजाय सत्याय सर्वाधिष्ठानमूर्तये ।

सर्वेश्वराय सर्वस्मै सत्यसिंहाय मङ्गलम् ॥ ९ ॥

मङ्गलाऽऽशासनपरैर्मदाऽऽचार्य पुरोगमैः ।

सर्वैश्च पूर्वैराचार्यैः सत्कृतायास्तु मङ्गलम् ॥ १० ॥

इति जग्गू वेङ्कटार्यरचितं श्रीनृसिंहमङ्गलनवरत्नमालिकारव्यं सम्पूर्णम् ।

Proofread by M K Barman

---

——  
*Shri Nrisimhamangalanavaratnamalikakhyam*  
pdf was typeset on August 4, 2025

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

